इंजीनियरिंग दिवस, 2024

स्रोत: पी.आई.बी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में इंजीनियर्स दिवस (अभियंता दिवस) के अवसर पर प्रधानमंत्री ने **सर एम. विश्वेश्वरैया** को श्रद्धांजलि अर्पित की। विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार एवं प्रगति में इंजीनियरों के योगदान के लिये उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

सर एम. विश्वेश्वरैया के बारे में मुख्य बिंदु क्या हैं?

- **सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के बारे में:** 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक में जन्मे, वे एक प्रख्यात इंजीनियर, विद्वान और राजनेता थे।
- पुणे के इंजीनियरिंग कॉलेज से स्नातक करने के बाद, उन्होंने भारत के सबसे सम्मानित इंजीनियर की ख्याति प्राप्त की।
- **इंजीनियरिंग योगदान:**
  - **बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई:** उन्हें बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई परियोजनाओं में उनके अग्रणी कार्य के लिये जाना जाता है। मैसूर में कृष्ण राजा सागर (KRS) **बाँध** के उनके डिज़ाइन ने जल भंडारण और सिंचाई में क्रांति ला दी।
  - **स्वचालित जल द्वार:** वर्ष 1903 में उन्होंने स्वचालित जल द्वार की एक अभिनव प्रणाली विकसित की, जिसे पुणे के **खडकवासला बाँध पर स्थापित किया गया।**
  - **शहरी नियोजन: विश्वेश्वरैया ने हैदराबाद शहर** की योजना बनाने और उसकी जल निकासी तथा जल आपूर्ति प्रणालियों में सुधार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **सार्वजनिक सेवा में भूमिका:**
  - उन्होंने मैसूर के दीवान (1912-1918) के रूप में कार्य किया और प्रमुख औद्योगिक तथा आर्थिक सुधारों को लागू किया।
  - शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और औद्योगीकरण पर उनके योगदान ने क्षेत्र में आर्थिक विकास की नींव रखी।
  - उन्हें भारत में आर्थिक नियोजन, **जिसे विश्वेश्वरैया योजना कहा जाता है**, के एक अग्रणी कार्यान्वयनकर्त्ता के रूप में जाना जाता है, जिसका वर्णन उन्होंने अपनी पुस्तक **"प्लांड इकोनॉमी इन इंडिया"** में किया है।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - राष्ट्र के प्रति उनकी असाधारण सेवा के लिये वर्ष 1955 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
  - सर एम. विश्वेश्वरैया **को वर्ष 1911 में किंग एडवर्ड सप्तम** द्वारा **"कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एम्पायर (C.I.E.)"** के रूप में नियुक्त किया गया था।
  - वर्ष 1915 में, सार्वजनिक कल्याण में उनके योगदान हेतु उन्हें "नाइट कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एम्पायर (KCIE) " की उपाधि से सम्मानित किया गया।
  - उन्हें इंस्टीट्यूशन ऑफ सिविल इंजीनियर्स, लंदन से माननीय सदस्यता, भारतीय विज्ञान संस्थान, **बेंगलुरू** से फेलोशिप और भारत के आठ विश्वविद्यालयों से D.Sc., LL.D., और D.Litt. सहित कई माननीय उपाधियाँ प्राप्त हुईं।
  - उन्होंने वर्ष 1923 में भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस की अध्यक्षता की।
- **इंजीनियर्स दिवस:** उनकी जयंती (**15 सितंबर), भारत में** प्रतिवर्ष **इंजीनियर्स दिवस के रूप में मनाई जाती है** ताकि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनकी विरासत और योगदान का सम्मान किया जा सके।

और पढ़ें...इंजीनियर दिवस, एम. विश्वेश्वरैया जयंती , **108वीं** भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस , भारत रत्न पुरस्कार, 2024

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/engineers-day-2024